समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 28 September 2026

इसे कहते है भारत का संस्कार : एशिया कप मे श्रीलंका पर जीत के बाद सूर्यकुमार यादव का मानवीय पहलू छाया

Publisher Published on 27 Sep 2025

एशिया कप 2025 में भारत और श्रीलंका के बीच खेला गया सुपर ओवर मुकाबला क्रिकेट प्रेमियों के लिए रोमांच और भावनाओं से भरा हुआ रहा। भारत ने इस nail-biting मैच में जीत हासिल की। लेकिन मैदान पर एक ऐसा दृश्य देखने को मिला जिसने सभी के दिलों को छू लिया। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मैच के बाद श्रीलंका के युवा स्पिनर **दुनिथ वेल्लालागे** को गले लगाकर उनके पिता के निधन पर संवेदना व्यक्त की। यह क्षण सोशल मीडिया और खेल जगत में “भारत के संस्कार” की मिसाल के रूप में चर्चित हो गया।

मैच का रोमांचक सफर

भारत और श्रीलंका के बीच मुकाबला कड़े संघर्ष का रहा। नियमित ओवरों में दोनों टीमों के स्कोर बराबर रहे और मैच सुपर ओवर तक खिंच गया। सुपर ओवर में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी और बल्लेबाजी ने भारत को शानदार जीत दिलाई।

जहां एक ओर यह मैच भारत के लिए जीत की खुशी लेकर आया, वहीं दूसरी ओर खेल भावना और मानवीय संवेदना का अनोखा दृश्य भी प्रस्तुत हुआ।

वेल्लालागे की व्यक्तिगत त्रासदी

श्रीलंका के उभरते हुए स्पिनर दुनिथ वेल्लालागे हाल ही में एक गहरे निजी दुख से गुज़रे। मैच से कुछ ही दिन पहले उनके पिता का निधन हो गया था। ऐसे मुश्किल हालात में भी उन्होंने मैदान पर डटकर अपनी टीम का प्रतिनिधित्व किया।

खिलाड़ियों की इस जुझारू भावना को दर्शकों ने खूब सराहा। लेकिन मैच के बाद जो दृश्य सामने आया, उसने क्रिकेट की “जेंटलमैन गेम” वाली छवि को और मजबूत किया।

सूर्यकुमार यादव का मानवीय पक्ष

मैच खत्म होने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव सीधे वेल्लालागे के पास पहुंचे। उन्होंने उन्हें गले लगाया और गहरी संवेदना प्रकट की। इस दौरान सूर्यकुमार ने उनके कंधे पर हाथ रखकर उन्हें सांत्वना दी। कैमरों में कैद यह दृश्य जल्द ही वायरल हो गया।

लोगों ने कहा कि यह सिर्फ क्रिकेट का नहीं बल्कि इंसानियत का सबसे बड़ा सबक है। एक प्रतिद्वंद्वी टीम का कप्तान जब इस तरह अपनी संवेदनाएँ साझा करता है तो यह खेल भावना की पराकाष्ठा मानी जाती है।

सोशल मीडिया की प्रतिक्रिया

जैसे ही यह वीडियो सामने आया, सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई।

- एक यूज़र ने लिखा: *"[illegible]"*
- दूसरे ने कहा: *"[illegible]"*

क्रिकेट विश्लेषकों ने भी इस क्षण को "क्रिकेट इतिहास के सबसे भावुक पलों" में से एक बताया।

खेल से ऊपर इंसानियत

अक्सर कहा जाता है कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि संस्कार और भावनाओं का मंच भी होता है। एशिया कप 2025 का यह क्षण इस कथन को सिद्ध करता है। जीत-हार से परे जाकर खिलाड़ियों का एक-दूसरे के प्रति आदर और सहानुभूति ही खेल भावना की असली पहचान है।

सूर्यकुमार यादव ने दिखा दिया कि कप्तानी केवल मैदान पर रणनीति बनाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि इसमें मानवीय संवेदनाएँ भी शामिल होती हैं।

क्रिकेट और भारतीय संस्कृति का मेल

भारत की पहचान हमेशा से उसकी संस्कृति और संस्कारों से रही है। "वसुधैव कुटुम्बकम" यानी पूरी दुनिया एक परिवार है — यह विचार भारतीय सभ्यता की जड़ में है। सूर्यकुमार का यह कदम उसी संस्कृति की झलक देता है।

यह संदेश भी देता है कि क्रिकेट सिर्फ चौके-छक्कों का खेल नहीं बल्कि भावनाओं और रिश्तों का भी सेतु है।

एशिया कप 2025 में भारत ने श्रीलंका को सुपर ओवर में हराकर टूर्नामेंट में अपनी दावेदारी मजबूत कर दी। लेकिन इस जीत से कहीं ज्यादा चर्चित रहा सूर्यकुमार यादव का मानवीय पहलू। दुनिथ वेल्लालागे के दुख में शामिल होकर उन्होंने साबित कर दिया कि असली खिलाड़ी वही है जो इंसानियत भी निभाए।

यह क्षण आने वाले समय में क्रिकेट जगत के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। और जब भी एशिया कप 2025 की चर्चा होगी, तो इस भावुक दृश्य का जिक्र ज़रूर होगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.